



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ८९]

मई बिल्की, मंगलवार, मार्च १३, १९७३/फाल्गुन २२, १८९४

No 89]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 13, 1973/PHALGUNA 22, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रलग सकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

NOTIFICATION

New Delhi, the 9th March 1973

S.O. 139(E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary to appoint a Commission of Inquiry for the purpose of making an inquiry into definite matters of public importance hereinafter specified;

Now therefore in exercise of the powers conferred by section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government hereby appoints a Commission of Inquiry consisting of Shri Jal Rustomji Vimadlal, Judge, High Court, Maharashtra, to inquire into the circumstances under which—

- (i) three persons entered the operational area and attempted to board Air India's Flight No. 131, at Bombay, on the 3rd March 1973 at 1 a.m., holding boarding passes different from those in current use; and
- (ii) three other persons succeeded in boarding the aircraft operating the above flight from Bombay and travelling as stowaways.

2. The Commission will be expected to complete its inquiry and make its report to the Central Government by 31st March, 1973.

3. The Central Government, being of opinion that, having regard to the nature of the inquiry to be made and other circumstances of the case all the provisions of sub-section (2), sub-section (3), sub-section (4) and sub-section (5) of section 5 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), should be made applicable to the said Commission, hereby directs under sub-section (1) of the said section 5 that all the provisions aforesaid shall apply to the said Commission.

[No. F. Av. 13024/6/73-A.]

N. KHOSLA, Jt. Secy.

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1973

का० आ० 139 (अ).—यतः केन्द्रीय सरकार का मत है कि आगे उल्लिखित सार्वजनिक महत्व के निश्चित मामलों में जांच करने के प्रयोजन के लिये एक जांच-आयोग नियुक्त करना आवश्यक है ;

अतः, अब, जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उन परिस्थितियों की, जिनके अन्तर्गत —

- (i) 3 मार्च को प्रातः एक बजे तीन व्यक्तियों ने, जिनके पास ऐसे “बोर्डिंग पास” थे जो प्रचलित पासों से भिन्न थे, बम्बई में परिचालन क्षेत्र में प्रवेश किया व एयर इण्डिया की उड़ान संख्या 131 पर चढ़ने का प्रयत्न किया ; और
- (ii) तीन अन्य व्यक्ति बम्बई से उपर्युक्त उड़ान का परिचालन करने वाले विमान में चढ़ने में तथा बिना टिकट के यात्रा करने में सफल हुये ;

जांच करने के लिये महाराष्ट्र उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, श्री जाल रूस्तम जी बिमदलाल को लेकर एक जांच आयोग की नियुक्ति करती है ।

2. आयोग से आशा की जाती है कि वह 31 मार्च 1973 तक अपनी जांच पूरी कर लेगा तथा केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर देगा ।

3. यतः केन्द्रीय सरकार का यह भी मत है कि की जाने वाली जांच की प्रकृति तथा मामले की अन्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुये, जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 5 की उप-धारा (2), उप-धारा (3), उप-धारा (4) तथा उप-धारा (5) के समस्त उपबन्ध उक्त आयोग पर लागू होने चाहियें, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त धारा 5 की उप-धारा (1) के अन्तर्गत निदेश करती है कि उपर्युक्त समस्त उपबन्ध उक्त आयोग पर लागू होंगे ।

[संख्या फा० ए० सी० 13024/6/73-ए]

नब जीवन खोसला, संयुक्त सचिव ।